महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

गायन और वादन का अभ्यासक्रम

संगीत प्रवेश (तीसरा वर्ष)

समय: - 1 साल (80 से 100 घंटे का प्रशिक्षण) **परीक्षा समय: - 20 मिनिट.**

कुल अंक: - 200, **क्रियात्मक - 150 अंक,** **शास्त्र (मौखिक) - 50 अंक.**

<u>क्रियात्मक</u> - 150 अंक

<u>राग ज्ञान</u>: - 1) **राग संख्या - 7, यमन, बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, जौनपुरी या आसावरी, केदार, पटदीप**

क) उपरोक्त रागों की सम्पूर्ण माहिती जैसे की थाट, स्वर, वर्जित स्वर, वादी - संवादी स्वर, आरोह - अवरोह, पकड़, गाने का समय इत्यादि की जानकारी तथा गाने की क्षमता।

ख) उपरोक्त रागों में 1 -1 बंदिश।

ग) राग यमन, मालकौंस, बिहाग, बागेश्री में 1 - 1 बंदिश, मध्यलय की बंदिश आलाप - बोलतान - तान के साथ 7 - 10 मिनिट की प्रस्तुति की क्षमता.

घ) संगीत प्रवेश के रागो में से किसी भी 1 राग में लक्षणगीत.

ङ) द्रुत एकताल और झपताल की बंदिशे करनी होगी. उपरोकत रागों में से कोई भी एक राग में ध्रुपद चौताल ठाय लय में गाने की क्षमता।

<u>स्वर ज्ञान</u>: - 1) तानपूरे / हारमोनियम के सुर पर बंदिश गानेकी क्षमता.
2) रागों में लगने वाले कोमल, तीव्र तथा शुद्ध स्वरों की जानकारी।
3) आरोह - अवरोह को ध्यान में रखकर राग यमन और मालकौंस में प्रारम्भिक तथा परिचय के अलंकार गाने की क्षमता।
4) आकार गायन से राग पहचानने की क्षमता.

<u>ताल ज्ञान</u>: - झपताल, चौताल और द्रुत एकताल के खंड, मात्रा, बोल की जानकारी और ताल बोलने की क्षमता.

<u>सुगम संगीत</u>: - लोकगीत - रास गरबा - संस्कृत के श्लोक या हवेली संगीत के पद, भजन, फिल्मी संगीत, गजल, सुगम संगीत गाने के लिए उत्साहित करना.

<u>वाद्य ज्ञान</u>: - संवादिनी (हार्मोनियम) पर आरोह - अवरोह, अलंकार बजाने की क्षमता.

<u>शास्त्र (मौखिक)</u> - 50 अंक

पारिभाषिक शब्द: - लय के प्रकार, नाद, घोंघाट, विवादी स्वर, आवर्तन, थाट की समझ, आलाप-तान की समझ, बंदिश में सम - खाली, बंदिश की उठान के बारे में जानकारी,

<u>नोंध</u>:- 1) पिछले साल में से प्रश्न पूछे जा सकते है. 2) परीक्षा के वक्त इलेक्ट्रोनिक तानपुरा और तालवाद्य संगति में प्रयोग कर सकते है.

<u>उद्देश्य</u>:- विध्यार्थी कक्षा 10 वीं. या 12 वीं में संगीत विषय लेनेके लिए आकर्षित हो उस तरह तैयार करना.